नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर
वर्ष 2021 महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1. भारत का सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव फॉरेंसिक एवं स्वास्थ्य संस्थान बनाने की पहल : आज दिनांक 26.05.2021 संस्कारधानी के नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर में मध्यप्रदेश शासन के वन मंत्री श्री कुँवर विजय शाह जी एवं माननीय कुलपति डॉ. (प्रो.) एस.पी. तिवारी जी ने आकस्मिक भ्रमण किया तथा साथ में क्षेत्रीय विधायक श्री अशोक रोहाणी जी तथा सी.सी.एफ. जबलपुर श्री महेला जी एवं जिला वनमण्डलाधिकारी श्रीमति अंजना तिर्की साथ में थीं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. (प्रो.) एस.पी. तिवारी जी की अगुआई में भ्रमण के दौरान मंत्री जी ने स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हेल्थ में चल रही परियोजनाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का ब्यौरा लेते हुए वैज्ञानिक गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान वाईल्डलाईफ एनॉटॉमी एवं टेक्सीडर्मी म्यूजियम, वाईल्डलाईफ हैल्थ डिविजन, ऑपरेशन थियेटर, वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एवं डायग्नॉस्टिक डिवीजन आदि में अनुसंधानिक एवं वन्य जीवों में विभिन्न प्रकार के रोग परीक्षण संबंधी जानकारी हासिल की।

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय कुलपति डॉ. (प्रो.) एस.पी. तिवारी ने अपने उदबोधन में माननीय मंत्री जी से आग्रह किया कि इस केंन्द्र को निकट भविष्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का प्रयास चल रहा है, जिसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधन संस्थान, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश शासन का सहयोग आकांक्षित है। मंत्री जी ने अपने उद्बोधन में स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ की स्थापना के संबंध में खुशी का इजहार करते हुए कहा कि इसके पूर्व सन् 2007 में अपने पूर्व के दोरे के बाद केंद्र के बदले हुए स्वरूप में और इजाफा करने की दृष्टि से हर संभव प्रयास किये जाने का आश्वासन दिया। इसी तारतम्य में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों का तकनीकि प्रशिक्षण और मध्यप्रदेश के वन विभाग को भी प्रशिक्षित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार वित्तीय सहयोग प्रदान करेगी, ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों का संपर्क इस केंद्र से हो और उनकी तकनीकी ज्ञान का लाभ हमारे वैज्ञानिकों को मिल सके। इसी दौरान क्षेत्रीय विधायक श्री अशोक रोहाणी जी ने भी स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ की गतिविधियों एवं उल्लेखनीय प्रगति पर हर्ष व्यक्त किया तथा मध्यप्रदेश शासन से जो भी आर्थिक सहायता हो सकेगी उसे दिलाने का आश्वासन दिया।

2. वी.यू. जबलपुर के अंतर्गत "विश्व दुग्ध दिवस'' के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बेवीनार का आयोजनः नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में राष्ट्रीय बेवीनार द्वारा "विश्व दुग्ध दिवस'' का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम खाद्य एवं कृषि संगठन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1 जून 2001 से मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य डेयरी क्षेत्र में स्थायित्व, आर्थिक समृद्धि अजीविका तथा खाद्य पोषण में महत्वपूर्ण योगदान है। इस वर्ष दुग्ध ग्रहण करते हुये मानव स्वास्थ्य को सुदृढ़ता प्रदान कराना है। इसी श्रखंला में यह आयोजन माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि. विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुशल मार्ग दर्शन व संरक्षण एवं डॉ. उमेश दत्त शर्मा जी, भारतीय पशुचिकित्सा परिषद्, (वी.सी.आई.) नई दिल्ली के अध्यक्ष, के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. उमेश दत्त शर्मा जी ने अपने उद्बोधन में बढ़ती आबादी के अनुपात में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि व उचित मूल्य पर उत्तम गुणवत्ता के दूध की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है। साथ ही आपने नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान वि.वि. में डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना पर बल दिया। जिससे प्रदेश में दूध की गुणवत्ता के साथ उचित दर उपलब्धता सुनिश्चित करने में वि.वि. की महत्वपूर्ण सहभागिता प्रति पादित हो सके। माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा भारत वर्ष में दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान बरकरार रखते हुये, 2019 –187.7 मिलियन टन वर्ष 2020 में 198.0 मिलियन टन कोरोना संक्रमण के के दौरान लक्ष्य वर्ष 2021–208.0 मिलियन टन रही, जबकि प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 2021 में 411 ग्राम , जबकि लक्ष्य 428 ग्राम प्रति व्यक्ति दिन रहा है, जो कि कोरोना संक्रमण काल के दौरान विषम परिस्थितिया रही हैं। इसी प्रकार मध्यप्रदेश में वर्ष 2018 –19 तक 15911 हजार टन दुग्ध उत्पादन करते हुये देश में तृतीय स्थान पर रहा हैं। साथ ही वि.वि. में संचालित शिक्षण, अनुसंधान परियोजनाओं एवं विस्तार गतिविधियों में उपस्थित अतिथियों, डॉ. सुनीता पिंटो, डेयरी प्रौद्योगिकी एवं डेयरी विभाग, आंनद वि.वि. एवं डॉ. अशोक कुमार खरे, महाप्रंबधक, भोपाल दुर्ग संघ (साँची) ने तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया।

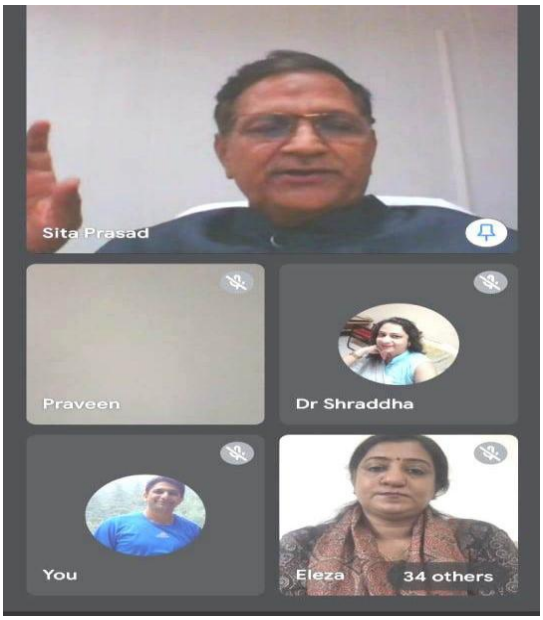

3. वि.वि. अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजनः नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माननीया श्रीमति आनंदी बेन जी पटेल, महामहिम एवं कुलाधिपति, म.प्र. शासन, भोपाल की अभिप्रेरणा एवं मार्गदर्शन से वि.वि. के अंतर्गत राष्ट्रीय बेबीनार के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य अतिथि माननीय श्री जे. एन. कंसोटिया,

अपर मुख्य सचिव, पशुपालन एवं डयरिंग, म.प्र. शासन, भोपाल, विशिष्ट अतिथि माननीय डॉ. जितेन्द्र जामदार, निर्देशक, जामदार चिकित्सालय जबलपुर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर द्वारा की गई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय श्री कंसोटिया जी ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि पशुधन के स्वास्थ्य एवं उनके उत्पादन मे पर्यावरण के सुधार एवं प्रभाव की महत्ती आवश्यकता है। इसी के परिणामस्वरूप प्रदेश का किसान पशुपालक एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से ही सशक्त हो सकता है और कृषि आय वृद्धि में –दोगुनी वृद्धि करते हुये, आत्मनिर्भर बन सकता है। इस उद्‌बोधन की श्रंखला में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि

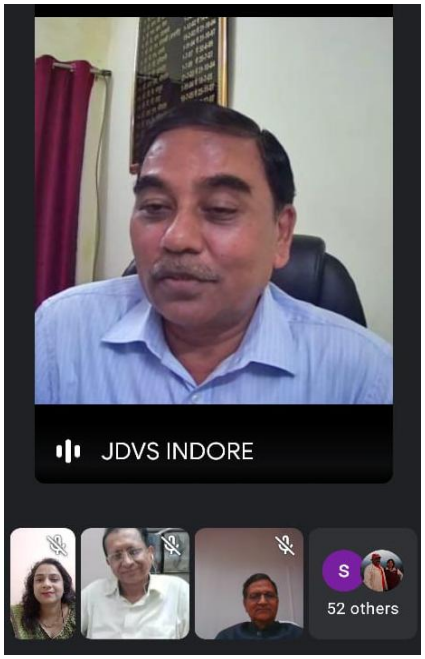

माननीय डॉ. जामदार जी ने अपने उद्‌बोधन में कोविड–19 (कोरोना) संक्रमण की वैश्विक महामारी के प्रकोप से पर्यावरण द्वारा ही न केवल मानवों वरन हमारे पालतू पशुओं के स्वास्थ्य को उत्तम बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करते है। जो कि वर्तमान में प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन के द्वारा ही संभव है। कार्यक्रम की श्रंखला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति महोदय जी ने वि.वि. अंतर्गत विगत वर्षो एवं वर्तमान में पर्यावरण की दिशा में किये जा रहे सुरक्षा एवं वृहद पौधारोपण (विभिन्न प्रजातियों) के पौधें का संरक्षण एवं संवर्धन वि.वि. के 03 पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालयों, मत्स्य विज्ञान महाविद्यलय, 05 पशु चिकित्सा पत्रोपाधि पाठ्यक्रम महाविद्यालयों एवं विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से विकसित संचालित पशुपालन तकनीकियों को पशुपालकों के द्वार तक अलग आयामें के माध्यम से पहुॅचाया जा सकता है। विगत दिवस वि.वि. द्वारा गोद लिये 15 ग्रामों में कोविड–19 टीकाकरण प्रोत्साहन अभियान भी निरंतर गति से चलाय जा रहा है, जिसके द्वारा लगभग 880 ग्रामीणजनों को प्रेरित करते हुये सफलतापूर्वक टीककरण कराया गया।

4. वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवसः दिनांक 05.06.2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ के परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, वनमण्डलाधिकारी, जबलपुर एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कुलपति महोदय ने कहा कि बढ़ती मानव जनसंख्या की दृष्टि से वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम किसी यज्ञ से कम नहीं, वृक्ष प्राणवायु के साथ–साथ वातावरण में विद्यमान प्रदूषण को सिरोधार्य कर हमें जीवांत रखते है। वर्तमान कोरोनाकाल में यह आवश्यक है कि मानव–पशु–पर्यावरण तीनों के स्वास्थ्य पर एक साथ ध्यान दिया जाए ताकि एक स्वास्थ्य अथवा वन हैल्थ की परिकल्पना को साकार किया जा सके। डी.एफ.ओ. श्रीमति तिर्की ने कहा कि ऐंसे कार्यक्रम वि.वि. में सदैव आयोजित किये जाने चाहिये। ताकि हम अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए देश की प्राकृतिक धरोहर को अक्षुण्य बनाये रखने हेतु भी सक्रिय रहें।

5. **अ.भा.वि.प. द्वारा वी.यू. में Plantation For Oxygen अभियान** के तहत पौधा रोपे गये, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् महाकोशल प्रांत द्वारा नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद जी की उपस्थिति में वृहद वृक्षारोपण अभियान Plantation For Oxygen के तहत पौधा रोपे गये।

6. **वी.यू. में कन्या छात्रावास निर्माण हेतु भूमि पूजन संपन्नः** दिनांक 10 जून 2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में कन्या छात्रावास के निर्माण हेतु भूमि पूजन का कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि श्री मोहित भारती, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जबलपुर तथा श्री सुधीर श्रीवास्तव, परियोजन यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधो.वि.नि., जबलपुर संभाग क्र. 1 की उपस्थिति में संपन्न हुआ। बाबू जगजीवन राम योजना 2019–20 के

अंतर्गत अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रावास का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधो.वि.नि. द्वारा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में बन रहे इस कन्या छात्रावास के निर्माण की कुल लागत करीब 02 करोड़ 25 लाख होगी। छात्रावास में मूलभूत सुविधाओं के साथ 50 बेड एवं 25 कमरों के साथ–साथ बैडमिंटन कोर्ट, बड़ा लाईब्रेरी हॉल, सर्वेंट क्वार्टर, गैस सिलेंडर रूम, बरतन स्टोर रूम, बड़ा डाईनिंग हॉल, रीक्रिएशन रूम, विजिटर रूम, वार्डर रूम, स्टोर रूम,टी.वी. रूम उपलब्ध होगा छात्रावास का कुल बिल्टअप एरिया 1160 वर्ग मीटर 124823 वर्गफिट है। इस

अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी ने कहा कि इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य कमजोर वर्ग के बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराना है छात्रावास के निर्माण से दूसरे शहरों से आने वाले छात्र–छात्राओं को यहां रहकर अध्ययन करने में सुविधा होगी।

7. वी.यू. अंतर्गत आत्म निर्भर मध्यप्रदेश रोडमेप में युवाओं को पशुपालन के क्षेत्र में रोजगार हेतु युवा संवाद का आयोजनः आत्म निर्भर मध्यप्रदेश रोडमेप में युवाओं को पशुपालन के क्षेत्र में ऑनलाइन (वर्चुअल) द्वारा पशुपालकों के स्वर्णिम भविष्य की ओर पशुपालन के क्षेत्र में आकर्षित करने हेतु युवा संवाद का आयोजन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव माननीय श्री जे.एन. कंसोटिया आई.ए.एस. एवं पशुपालन डेयरी विभाग म.प्र. शासन भोपाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, का सपना साकार करने के लिए कृषकों एवं पशुपालकों की आय में दोगुनी वृद्धि करने के लक्ष्य में रखा गया है एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता में माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे मध्यप्रदेश को आत्मनिभर्रर बनाने में एकीकृत उन्नत कृषि–पशुपालन प्रणाली के माध्यम से कृषकों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उद्‌बोधन की इसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

8. वी.यू. द्वारा जबलपुर में 75 वाँ स्वतंत्रता दिवस सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सम्पन्नः दिनांक 15 अगस्त 2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर मुख्यालय एवं पशुचिकित्सा पशुपालन महाविद्यालय में माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, कुलपति, विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण सोशल डिस्टेंसिंग के साथ उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

9. वी.यू. अतंर्गत गौशालाओं की 12 गायों में दुग्ध उत्पादन वृद्धि हेतु सर्वोत्तम साहीवाल गाय के भ्रूणों का प्रत्यारोपण– एक अनुकणीय पहल दिनांकः 17.08.2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) में उत्तराखण्ड लाइव स्टाक डेवलपमेन्ट बोर्ड देहरादून, उत्तराखण्ड सरकार के बीच हुए एम.ओ.यू. के तहत भ्रूण प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. अजय पाल सिंह आसवाल, डॉ. मंयक मैठानी एवं नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के विशेषज्ञों की टीम में क्रमशः डॉ. ए.पी. सिंह, संचालक, जैव

प्रौद्योगिकी केन्द्र, डॉ. नितिन बजाज, डॉ. विष्णु गुप्ता एवं डॉ. अभिषेक बिसेन के एतत् प्रयासों से आज साहीवाल नस्ल की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक से लिंग वर्गीकृत भ्रूण उत्पन्न कर जबलपुर की गौशाला से प्राप्त 12 कम दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली ग्राही गायों में भ्रूण प्रत्यारोपित किये गये। ज्ञात हो कि जनवरी 2021 में एम.ओ.यू. के तहत एक उच्च कोटि की दाता गाय से 24 भ्रूण प्राप्त किये गये थे। जिसमें से 14 भ्रूणों को प्रत्यारोपित किया गया था। जिसमें 08 पशु गर्भित पाये गये हैं।

10. वी.यू. अंतर्गत जनजातीय उप–योजना के माध्यम से नर्मदा निधि मुर्गे–मुर्गीयों का पालन तकनीकी हस्तांतरण द्वारा पशुपालकों के आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमः दिनांक 10 सितम्बर 2021 को माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन से संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा जनजातीय उप.योजना के उद्देश्यों के अनुरूप मंडला जिले के निवास तहसील नारायणगंज बाबलिया ग्राम में नर्मदा निधि नर 204 एवं 848 मादा कुल 1052 चूजों का वितरण सोशल डिस्टेंशिंग से सम्पन्न हुआ। जिसके माध्यम से प्रदेश की नर्मदा निधि नस्ल के मुर्गे–मुर्गीयों का संरक्षण व संर्वधन तो होगा ही, साथ ही उत्तम एवं पौष्टिक अंडा एवं औषधीय गुणवत्ता के माँस उत्पादन होगा, जिसके परिणामस्वरूप पशुपालकों के स्वास्थ्य सुधार आय वृद्धि के साथ–साथ वे सामाजिक व आर्थिक स्तर पर आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

11. वी.यू. अंतर्गत 'नर्मदा मिन खनिज संमिश्रण (मिनरल मिक्सचर) इकाई का माननीय कुलपति जी, संयुक्त संचालक एवं उप–संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, जबलपुर में भ्रमण एवं अवलोकनः दिनांक 13.09.2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, डॉ. पी.एस. पटेल, संयुक्त संचालक एवं डॉ. सुनील बाजपेयी, उप–संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग जबलपुर द्वारा नर्मदा मिन खनिज संमिश्रण (मिनरल मिक्सचर) इकाई का भ्रमण एवं अवलोकन

किया गया। इस दौरान माननीय कुलपति जी ने भ्रमण के दौरान विशिष्ट अतिथियों को संचालित हो रही इकाई की गतिविधियों पर विस्तार से तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया। साथ ही म.प्र. के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों की मृदा, चरी चारा एवं पशुओं के आहार में प्रयुक्त होने वाले खाद्य अवयवों में उपस्थित प्रमुख खनिज तत्वों का आकलन कर विभिन्न पशुओं की आवश्यकतानुसार खनिज संमिश्रण का निर्माण जबलपुर स्थित पशु पोषण विभाग, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में किया गया है, एवं विभिन्न पशुओं को इस संमिश्रण को खिलाकर विभिन्न परीक्षण किये गये हैं। अनुसंधानों की

अनुशंसानुसार इस पशु खनिज संमिश्रण को खिलाने से पशुओं की दुग्ध की गुणवक्ता, प्रजनन क्षमता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार देखे गये है। पशु पोषण विभाग के गहन अनुसंधान पश्चात् नर्मदा मिन खनिज संमिश्रण (मिनरल मिक्सचर) निर्माण इकाई का शुभारंभ नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) के अंतर्गत किया गया है नर्मदा मिन खनिज संमिश्रण सभी पशुओं (गाय, भैस, भेड़, बकरी एवं सुकर) हेतु अत्यंत लाभकारी होने के साथ–साथ प्रचलित व्यावसायिक मिनरल मिक्सचर से तुलनात्मक रूप से काफी कम कीमत (मात्र 75 प्रति किलो) पर उपलब्ध है, नर्मदा मिन खनिज संमिश्रण (मिनरल मिक्सचर) पशुपालन विभाग के अंतर्गत विभिन्न डेयरी फार्म, बकरी फार्म, कुक्कुट फार्म में क्रय हेतु अनुशंसा एवं निर्देशित करें। ताकि नर्मदा मिन खनिज संमिश्रण से संपूर्ण राज्य के पशुपालक लाभान्वित हो सके ओर से सम्पूर्ण राज्य के सभी पशुपालकों को वितरित किया जाये जिससे सम्पूर्ण राज्य के पशुपालक लाभान्वित हो सकेंगे।

12. वी.यू. के अंतर्गत आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में तृतीय युवा उद्यमी संवाद की आत्मनिर्भरता हेतु आयोजनः दिनांक 14.09.2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोडमेप में युवाओं को पशुपालन के क्षेत्र में ऑनलाइन (जूम वर्चुअल) द्वारा युवा उद्यमी पशुपालकों के स्वर्णिम भविष्य की ओर पशुपालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं रोजगारन्मुखी बनाने हेतु तृतीय युवा उद्यमी संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री जे.एन. कंसोटिया जी, आई.ए.एस. अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल, कार्यक्रम की अध्यक्षता यशस्वी एवं ऊर्जावान माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर, विशिष्ट अतिथि सम्मानीय डॉ. आर.के. मेहिया, संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल एवं डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा, अध्यक्ष, पशुचिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली के सानिध्य में

सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जे.एन. कंसोटिया जी ने उद्गार व्यक्त करते हुये कहा कि हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, का सपना साकार करने के लिये कृषकों एवं पशुपालकों की आय में दोगुनी वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया हैं एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सम्मानीय डॉ. आर.के. मेहिया, संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल एवं डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा, अध्यक्ष, पशुचिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली ने सम्बोधित करते हुये कहा कि मध्यप्रदेश के युवा उद्यमी वि.वि. एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा आयोजित होने वाले पशुपालन से संबंधित प्रशिक्षणों में सहभागिता निभाते हुये, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालन से संबंधित शासकीय योजनाओं से लाभान्वित होकर अपनी सामाजिक–आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करते हुये आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगें। इसी कार्यक्रम की श्रंखला में कार्यक्रम की अध्यक्षता में माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में एकीकृत उन्नत कृषि पशुपालन प्रणाली के माध्यम से पशुपालकों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उद्बोधन की इसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर पावर प्वांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

13. वी.यू. में 37 वीं प्रबंधन मंडल बोर्ड की बैठक सम्पन्नः दिनांक 23.09.2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में 37वीं प्रबंधन मंडल बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई। जिसकी शुरूआत मॉ सरस्वती जी पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा की गई। जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न प्रगतिशील एवं आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई एवं विश्वविद्यालय हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय रोस्टर, प्रोफेसर की सीधी भर्ती, आईसीएआर व यूजीसी के स्कोर को दृष्टिगत रखते हुए करने का प्रस्ताव, बजट के साथ प्रदेश में निजी पॉलीटेक्नीक कॉलेज, फिशरी पॉलीटेक्नीक, डेयरी साइंस पॉलीटेक्नीक, कॉलेज शुरू किया जाने का प्रस्ताव प्रमुखता से पास किए जाने के लिए रखा गया। साथ ही अन्य प्रस्ताव भी रखें गये है। माननीय सदस्यों द्वारा अपने–अपने विचार प्रकट किये तथा कुलपति, डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के कुशल नेतृत्व में प्रबंधन एवं प्रशासनिक दक्षता व वि.वि. के निरंतर विकास के प्रयासों की सराहना की और आगे पूर्ण सहयोग एवं सामंजस्य का भरोसा दिलाया। इसके अलावा बैठक के पश्चात् सभी माननीय सदस्यों द्वारा विश्वविद्याल संग्रहालय में विभिन्न इकाईयों जैसे– डेयरी फार्म, वर्मी कंपोस्ट इकाई, पंचगव्य

इकाई, नर्मदा मिन खनिज सम्मिश्रण इकाई के अंतर्गत पशुओं के खनिज लवण के पैकेट्स एवं यूरिया मोलेसिस मिनरल ब्रिक्स आदि उत्पादों का अवलोकन करते हुये, सराहना की गई। पोल्ट्री फार्म, मस्त्य पालन इकाई, एवं वि.वि. संचालनालयों आदि का अवलोकन किया एवं भ्रमण करते हुये, संचालित गतिविधियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की गई। इस बैठक के पश्चात् सभी सम्मानीय सदस्यों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।

14. वी.यू. के अंतर्गत एम.व्ही.एस.सी. व वाचस्पति स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम अखिल भारतीय कृषि प्रवेश परीक्षा में चयनित 31 प्रतिभावान छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लेकर गौरन्वित किया: नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा कृषि स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश वर्ष 2020–2021 के लिय पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर में एम.व्ही.एस.सी. स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम में 18 होनहार छात्रों एवं 3 छात्र–छात्राओं ने वाचस्पति पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया, वही पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय महू में स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम एम. व्ही.एस.सी. के लिये 10 छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लिया। माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, महोदय जी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर ने महत्वपूर्ण उपलब्धियों हेतु प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को शुभकामनायें एवं बधाईयों प्रेषित करते हुये कहा कि यह वि.वि. के प्राध्यापकगणों एवं छात्र–छात्राओं के सतत् प्रयासों से हुई हैं। आशा है कि भविष्य में इसी प्रकार वि.वि. में निरंतर सकारात्मक पहल के परिणामस्वरूप इसके चहुंमुखी विकास की दिशा में अग्रसर होगें।

15. वी.यू. कुलपति भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के प्रबंधक बोर्ड के सदस्य मनोनीत: नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी जी को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के प्रबंधक बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है। कुलपति जी की इस प्रबंधक बोर्ड की सदस्यता का कार्यकाल दिनांक 10/09/2021 से 09/09/2023 तक होगा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रबंधन बोर्ड जोकि इस देश के अग्रणी संस्थान के नीतिगत निर्णय लेता है। इस संस्थान के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु आपके द्वारा दिए जाने वाले अमूल्य सहयोग एवं सुझावों का स्वागत करता है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य बनाए जाने पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारीगण एवं प्राध्यापकगण ने कुलपति जी को बधाइयां प्रेषित की।

16. वी.यू. अंतर्गत फीड सप्लीमेंट यूनिट के ISO9002015 में प्रमाणीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ दिनांक 02.08.2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत पशुपोषण विभाग, पशुचिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर की फीड सप्लीमेंट यूनिट के

ISO9002015 प्रमाणीकरण हेतु माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के मार्गदर्शन एवं

अभिप्रेरणा में पी.आई.सी. सर्टिफिकेशन प्रा.लि. द्वारा निरीक्षण हेतु श्री वरूण कुमार सिंह, डिवीजनल मैनेजर एवं श्री विनय शर्मा, ऑडीटर द्वारा फीड सप्लीमेंट यूनिट का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संचालित गतिविधियों का अवकलोकन करते हुए बताया गया कि इकाई की कार्यप्रणाली संतोष जनक है, साथ ही अपने कुछ आवश्यक सुझाव एवं दिशानिर्देश प्रदान किये, जिनके परिणाम स्वरूप निकट भविष्य में वी.यू अंतर्गत फीड सप्लीमेंट यूनिट का ISO9002015 प्रमाणीकरण होना संभव हो सकेगा। जिससे म.प्र. के पशुपालकों के पशुओं के उत्पादन एवं स्वास्थ्य वृद्धि में सहायक सिद्ध होगे।

17. वी.यू. जबलपुर व पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत भारती जामठी बैतूल के संयुक्त तत्वाधान में विशाल पशुचिकित्सा शिविर, पशु प्रदर्शनी एवं पशुपालक संगोष्ठी का आयोजनः

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के निर्देशानुसार नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, पशुपालन डेयरी विभाग, भारत भारती जामठी, बैतूल मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 29 अगस्त 2021 दिन रविवार को प्रातः 9 बजे से 4 बजे तक विशाल पशुचिकित्सा शिविर, पशु प्रदर्शनी एवं परम्परागत पशुचिकित्सा पद्धति द्वारा पशुओं का उपचार विषय पर पशुपालक संगोष्ठी का आयोजन होने यह कार्यक्रम में माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति के मुख्य आतिथ्य में एवं डॉ. आर.के. मेहिया, संचालक, पशुचिकित्सा सेवायें म.प्र. शासन भोपाल, डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, अध्यक्ष, पशु चिकित्सा परिषद् नई दिल्ली, श्री मोहन नागर, संयोजक, भारत भारती आवासीय परिसर जामठी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के विशिष्ठ आतिथ्य उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, संचालकगण एवं विषय वस्तु विशेषज्ञों तथा 21 स्नातक, स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रहेगी। इसमें पशुपालकों के पालतु पशुओं जो गंभीर रागों से पीड़ित, बांझपशु एवं शल्य क्रिया के पशुओं को शिविर में उपचारित किया जावेगा, जिसमें वे लाभान्वित होंगे। इसी साथ–साथ में विभिन्न पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं पशु पालन विभाग द्वारा प्रदर्शन का भी आयोजन सुनश्चित है, कार्यक्रम की श्रंखला में परम्परागत पशु चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से पशुओं के उपचार विषय एक पशु–पालक संगोष्ठी का आयोजन भी किया जावेगा। जिसमें जिला बैतूल एवं समीपस्थ जिलों के पशुपालक लाभान्वित होंगे।